

परिशिष्ट 'अ'

कार्यालय प्रधान महालेखाकार (लेखा एवं हकदारी) - प्रथम,
मध्य प्रदेश, ग्वालियर

क्रमांक/टी.सी.-1/ D-41

ग्वालियर दिनांक 29.09.2016

प्रति,

प्रमुख सचिव,
म.प्र. शासन, सामान्य प्रशासन विभाग,
मंत्रालय, भोपाल, (म.प्र.)

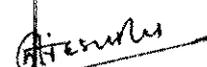
विषय:- मुख्य शीर्ष 2070 अन्य प्रशासनिक सेवाओं के अन्तर्गत लम्बित डी.सी. विल्स राशि रु. 7,59,00,000/- के भिजवाने वावत्।

- संदर्भ:- 1. इस कार्यालय का पत्र क्रमांक टी.सी.-01/डी.सी.विल/23 दिनांक 16.03.2015
2. आपका पत्र क्रमांक 507/रा सत्का/2016 भोपाल दिनांक 17.08.2016

महोदय,

कृपया विषयान्तर्गत सन्दर्भित पत्रों का अवलोकन करें जिसमें राज्य शिष्टाचार अधिकारी द्वारा आहरित 19 ए.सी. विल राशि 7,59,00,000/- के लम्बित ए.सी. विल के सामायोजन हेतु, डी.सी. विल अथवा इस आशय का प्रमाण पत्र कि "ए.सी. विलों पर आहरित राशियों का उपयोग शासकीय प्रयोजन हेतु हुआ है" को भेजने हेतु अनुरोध किया गया था, उक्त जानकारी प्राप्त करने हेतु इस कार्यालय से श्री विनय टीक्षित लेखा अधिकारी को आपके कार्यालय में 17.08.2016 को भेजा गया था। किन्तु चाही गई जानकारी उपलब्ध नहीं कराई गयी तथा उपरोक्त जानकारी को संदर्भित पत्र क्रमांक (ii) द्वारा 15 दिवस में इस कार्यालय को भेजने हेतु आश्वासन भी दिया गया था, किन्तु अभी तक जानकारी प्राप्त नहीं हुई है। कृपया शीघ्र भेजवाने की व्यवस्था करें।

भवदीय


उप महालेखाकार (लेखा)


अनुभाषण अधिकारी
मध्य प्रदेश शासन,
सामान्य प्रशासन विभाग

7121
11685

मध्य प्रदेश शासन
सामान्य प्रशासन विभाग
मंत्रालय, वल्लभ भवन, भोपाल

कमांक 596/2016/रासका

भोपाल, दिनांक 13 अक्टूबर, 2016

प्रति,

महालेखाकार,
कार्यालय प्रधान महालेखाकार,
(लेखा एवं हकदारी) प्रथम,
मध्यप्रदेश, ग्वालियर।

विषय :- मुख्य शीर्ष 2070 अन्य प्रशासनिक सेवाओं के अन्तर्गत लंबित डीसी बिल भिजवाने
बाबत।

संदर्भ :- आपका पत्र कमांक टीसी-01/डीसी.बिल/23 दिनांक 16/08/2016.

उपरोक्त विषयांतर्गत संदर्भित पत्र का अवलोकन करने का कष्ट करें।

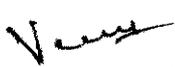
प्राप्त पत्र में राज्य शिष्टाचार अधिकारी द्वारा मुख्य शीर्ष 2070-अन्य प्रशासनिक सेवाओं के अन्तर्गत वर्ष 2004-05 से 2006-07 की अवधि के कुल 19 एसी बिलों के माध्यम से आहरित कुल राशि 7,59,00,000 के डीसी बिल, प्राप्त न होने के संबंध में लेख करते हुये, कार्यालय में उपलब्ध डीसी बिलों की प्रतियों की छायाप्रति उपलब्ध कराये जाने या आहरित राशियों का उपयोग शासकीय प्रयोजन हेतु हुआ है इस आशय का प्रमाण पत्र प्रेषित करने का लेख किया गया है।

2/ उपरोक्त के क्रम में राज्य सत्कार कार्यालय में उपलब्ध एवं राज्य अर्थिक अपराध अन्वेषण ब्यूरो से वापस प्राप्त अभिलेखों का परीक्षण कराया गया। कार्यालयीन अभिलेखों का परीक्षण करने पर उपरोक्त अवधि के कोई भी डीसी बिल अथवा उनकी कार्यालयीन प्रति कार्यालयीन अभिलेख में उपलब्ध नहीं है। कार्यालय में उपलब्ध अभिलेखों के परीक्षण पर तत्कालीन जावक पंजी अनुसार निम्नानुसार डीसी बिल महालेखाकार कार्यालय को भेजे जाने का उल्लेख है:-

स.क.	वित्तीय वर्ष	जावक कमांक/दिनांक	जावक पंजी में अंकित विवरण
1	2004-05	143/12.04.04	डी.सी.बिल ग्वालियर भेजने बाबत
2	2004-05	304/04.11.04	डी.सी.बिल भेजने बाबत
3	2004-05	11/05.02.05	डी.सी.बिल भेजने बाबत
4	2005-06	106/23.04.05	डी.सी.बिल भेजने बाबत
5	2005-06	203/26.07.05	डी.सी.बिल भेजने बाबत
6	2005-06	293/13.10.05	डी.सी.बिल
7	2005-06	307/17.11.05	डी.सी.बिल
8	2005-06	19/19.01.06	डी.सी.बिल भेजने बाबत
9	2006-07	130/19.04.06	डी.सी.बिल भेजने बाबत

यह भी उल्लेखनीय है कि इस संबंध में मध्यप्रदेश आर्थिक अपराध अन्वेषण ब्यूरो द्वारा अपराध पंजीबद्ध कर जांच की गई थी, जिसमें अपराध प्रमाणित न पाये जाने पर खात्मा लगाया गया, जिसे माननीय न्यायालय द्वारा स्वीकार किया गया।

आपके संदर्भित पत्र द्वारा चाहे जा रहे डीसी बिलों संबंधी कोई भी जानकारी राज्य सत्कार कार्यालय द्वारा उपलब्ध कराई जाना संभव नहीं है। अतः उपरोक्तानुसार तंत्रित प्रकरण को समाप्त करने का कष्ट करें।


अनुभाज अधिकारी
मध्यप्रदेश शासन,
सामान्य प्रशासन विभाग


(ए.के. वाष्णीय)
प्रमुख राशिव, मध्य शासन
सामान्य प्रशासन विभाग